CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

वामेहाथ
बन्हणा
चंपट
जितिः
सत्य

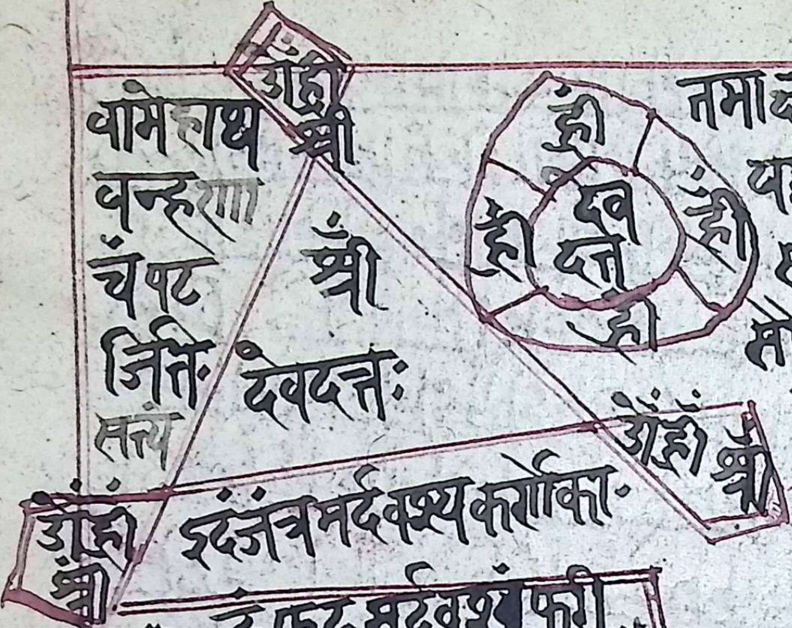


नमाव्हरीनभूर्य्ये
पत्र्यनामलि
ख्यकंठवधा
सोभाग्यभव
तिः

कुंकमादिनाभू
लिख्यवाहे
र चनु
रो नश्य

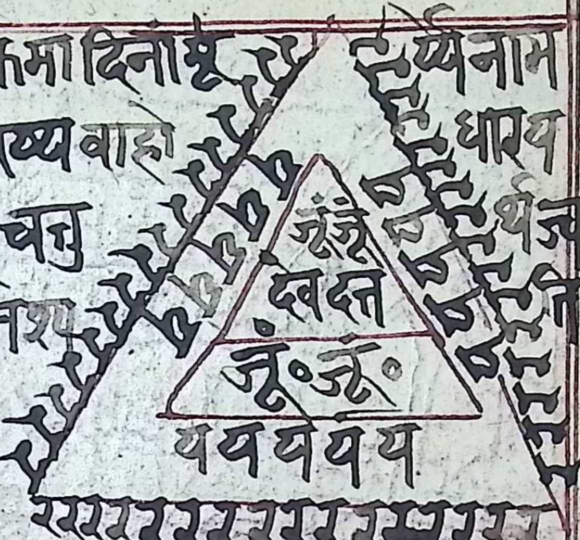


अष्टगंधेन भूर्य्यपत्र्य लिख्य कंठे
वांध्या वंता यतः दिव्यस्तं गर्भ भवति

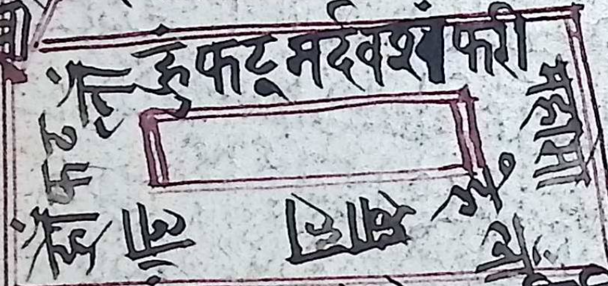

गोरोचनादि लि
खन्यां लिख्य बाहू
कंठ धारयत् स
र्वविषनश्यतिः

अष्टगंध भूर्य्य लिख्य
पत्र्यनाम लिख्य वध्ये
धारयत तथा कंठ वध्वा
सोभाग्य भवतिः

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

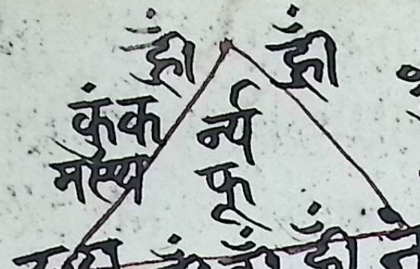


ॐ नमो रुद्राय महीमाय उग्रमदाय महावलवाय परा क्रमाय
महारौद्रा तकाय रौद्राय महारूपायवे नमः ॐ जंभेतनमः मोह
ह्रौं ह्रौं ह्रीं नेनमः ॐ नाथेवनमः वालकस्य सूर्य वीरसु नामधीयनन दचन
न। चिरज्य सूर्य्ये लिष्य दुष्ट निवारयति अथ द्वितीयजं चेलि
नारीरक्त चलावरा चक्रपांज चक्र करसा पृसो नोदसा सत्यं
ॐ गुरुसु गुरु सत्तगुर मनाए: प्रथम श्रीरामचंद्र को गाऐ हनमंत
अजनी के पूत जानै: कपड पछाडे तीनसैय सठ भूत: भूत भूतकी जात
व वानु: आकासर: मकसर कची या मसान: ईहां कमारत गरदाया मसो
न: ॐ ह्रीं स्वली भूरी चली: भीमकी गदा चली: अर्जनके वान चले: सीताको सत चले:
सहदेवकी पाथी चले: गमारी कुलारी को चक्र चले: पीढ वेठ मंदादरी चले: डोलावेठ
रामन चले एकनमो ऐकला विर हनमत: अंजनी के पूत हांक मार फूल चल्यो: कोन को

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

नकोंलेचल्यो : हृवित्त वंदी चोरेलचली पछात वंदी डंकणी चली : मेषणी चली : रक्ता
चली : मसानी चली : खुरखुरी चली : दक्षा चली : फिपरा चली : कोरजा चलि : हनुमंत
अजनी के पूत हांक मार तुले चल्यो : कौन कौन को ले चल्यो आकास परी को लेच
ल्यो : पाताल परी को लेचल्यो : मान परी को लेचल्यो : स्याम परी को लेचल्यो : इंद्र परी को
लेचल्यो : लोलि परी को लेचल्यो : वैरी परी को ले चल्यो : हनमंत अजनी के पूत हांक मार
तुले चल्यो : कौन कौन को लेचल्यो : वामन से भैरो चले : चौसठ योगणी चले : होरदीय वा
डीसों छातिकी कवाडी सों वाटी वाटी सों : हाड हाडसों : चांव चावसों : सूद सूद सों : जोवना
री वहत्तर कोठसों : येथेद हनुमंत अंजनी के पूत : हांक मार तुले चल्यो : कौन कौन को ले
चल्यो : ऊऊपट को राह को वाट को गलि को चौक को : छुडी को मको लिको : रूप को
वृषको : नदी को नाल को : धुके को वाय को तलायेको : कोप को : जात को : अजात को : ठने
को : टने को : टोना को : कर्को : कर्तुको हनमंत अंजनी को पूत : वारा कोस के पछाडी :
चौविस कोस की गीदं धरमार उलटंत वेद पलटंत काया : श्री सीतापती रामजी सस हाया :

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

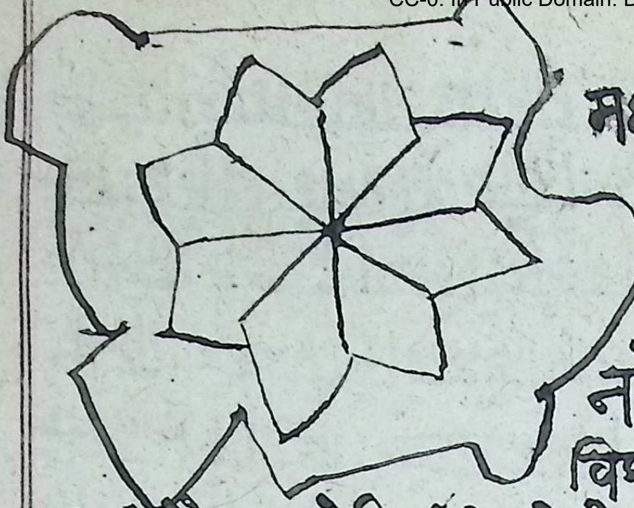

मध्येवासुदेवायनमः महालक्ष्म्यैनमः ऽथवामहा
लक्ष्मीवासुदेवाभ्यांनमः अष्टततोअष्टपत्रेसुभ
द्रायैनमः ब्रह्मरोनमः सुरभैनमः सूर्यायनमः धे
नवेनमः बहुरूपायनमः पृथिव्यैनमः अनंतायनमः
विश्वरूपायनमः दिग्धेनवेनमः सिद्ध्यैनमः ऋद्ध्यैन
मः शांत्यैनमः रोहिनीदिग्धेनवेनमः चंद्रमसेनमः महादेवायनमः देव्यैनमः रक्षो
हणांवलगहनं वैस्नवीमिदमहं तं वलगमुत्किरामिस्वाहाः इतिपापसंनकुत्वाः ग
तामभिषिच्यः कलशोदकेनः अविनयमविनय मनशमयविष
यमचेस्त्वाभूतदयांविस्तारय तारयः भूर्य्यपत्रोपरि अष्टगंधनालि
ख्यतेस्त्रीधार्य्यपुरुषतस्य पुरुषधार्य्यतेस्त्रीवश्यम॥१॥ रामः॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

ॐ श्रीगणेशाय नमः ॥ अथ गरुडपुराण अर्थ लिख्यते ॥ श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः
मधुसूदन जो है एक पादप वृक्ष सो जयति जय प्राप्त होय कथंभूतं मधुसूदन धर्मदृढब
द्धमूल कैसा विसा मधुसूदन धर्म [illegible] पवणा याहं चौतराजान फेर कैसा विभगवान् है चारजा
स्कंधः वेद हैं सोई हैं डाणा जाके पुनः कथंभूतं मधुसूदन पुराणशाखाढ्यः [illegible] कथंभूत कैसा विम
धुसूदन भगवान् अठारा जो पुराण हैं सोई शाखा पोगियां जिस्कि पुनः कथंभूतं पादपं नाम
विस्तुं क्रतुकुसुमं क्रतु जो यज्ञ है सोई कुसुम पुष्प जीस्के पुनः कथंभूतं पादपनाम वृक्षनाम
विस्तुं मोक्ष सोई जिस्का एसा जो पादप है सो मधुसूदन सो जयति जय को प्राप्त होय ॥१॥ टि

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

ॐ श्रीशंकरायनमः अथ मंत्रमुक्तावलिरव्यते अथसर्वव्याधिमंत्रः पहेलानाउ
माईदा जिन मिमरा मभकोई दूजानाउमाईबापदाजिनजन्मदीया तिजानाउगुरुपी
रदाजो पारगरामी होई चवथा नाउजालपामरस्वतिनग्रकोटकिरामी हुउसगडोराज
राल्यासमुद पहिली मथनि मथ्याहीरा आया दूजीमथनि मथ्यालाल आया तीजीम
थनीमथा कईना आया चवूथीमथनीमथ्या चारवेद आये। पांचमीमथनीमथ्यापांचपांडे
आये छठीमथनीमथ्यालुसलुठुठार आये सातईमथनीमथ्या अजेपालु आया अ
जपालकेसातवेट पहिलि पायवल छोडकरबेकोठीरूपताला तिथेउपजि अथेतरैसोफा
डी पहिलेफोडीकोरामीयाई हांसी यांसी लोही दाही तुरकी तुरकाणी मुगली पठा
णी ननारी अथवाय रनोंजुलि बभवरी चकला गलरूरुणी वारु वरुन्द्वाली ककुआ
क थवाला मांउपरा लूत नहरीपीपली कुलथी गुलटी मुराउकी ठंडोवादरी ईडे
गीयावाय फिडगवावाय अरा हराका टराका तेड्या चवथईया लावा नाय डवला

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

ॐ
मं॰मु॰
१

ताप भटला चटलाराभाय कमलावाय हेतवाय मेनवाय मनवाय मेघुंडवाढी
वाय खटे मिठेदीवाय गुड च्यमलेनदीवाय कमलनवाय कोरा महीनेजाई जन्मी
माघ मासे जाई जन्मी मंगलेवार जाई जन्मी वामी चोदसीये जाई जन्मी तेरी च्याख्जा
गा मलाद जारा जठ गारुड करा ही व्याध उत्तर व्याधेतु भलिजारा उत्तरे जंता शिरे
वसे ता माहादेव वसे तिथे ता व्याधे वसरा नादेउ माथ वसे माथ चंद्र भाव वसे ता व्याधे
वसरा नादेउ पद्मरा पारी वसे माथ व्याध वसरा नादेउ च्याखी वसे च्यषीनयरा देवी
वसे ता व्याधे वसरा नादेउ कान वसे कान करा राजा वसे उथ ता व्याधे वसरा नादेउ ना
के वसे नाके मंगलादी पृकी पद्मरागी वसे उथे ता व्याधे वसरा नादेउ उठ वसे उठे च्या
पपद्मरागी वसे उठे ता व्याधे वसरा नादेउ जिह्वा वसे जिह्वा सरस्वती वसे तिथे ता व्या
धे वसरा नादेउ टठ वसे टठ मार ध्वज जति वसे तिथे ता व्याधे वसरा नादेउ भोफ
रे वसे भोफर वसे तां दाम मारागीये वसे तिथे ता व्याध वसरा नादेउ वमाड वसे वमाडे पी रामः ॥
॥१॥

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रपकैंवरवसेतिथे तांव्याधेवसराानादेउ चउकरीवसे चउकरीटंकीकारीकीराल
रुपटवसेउधारसमुंद्रपरडे व्याहमामेंते ई श्रीमारीहाकहरकी भवनागुरुकी शक्तफु
रेमंत्रईश्वरकीवाचा। ॐ आदेसगुरुतेरा नारपवंजेवसेपवनां अर्जुनवीरवसेतिथतां
व्याधेवसराा नादेउ हाथेवसेहाथे धर्मराजावसे तिथे तांव्याधेवसराानादेउ पीठवसेपी
ठेतोठाराभार वनस्पतिवसे तिथतांव्याधे वसराानादेउ छातिवसेछातिताहरा मंतजनीत
सेतिथतांव्याधे॰ कालजेवसेकालजेतांकोलकाधीपकवसेतिथतां॰ ढिलिकुपीवसेढि
लीकुपीतां सिद्धिसागरवसेतिथेतां॰ रावटेवसेरावटेतांघाररत्नवसेतिथेतां॰ रडलवसे
रउलतांनलराजावसेतिथेतां॰ गंडेलुरेवसेगंडेलुरेघारेनंङ्गावसेतिथेतां॰ फिन्हीवसे
फिन्हीतांवञ्जुवरावसेतिथेतांव्याधेवसराानादेउ पयेरवसेपयेरतांमगुमाटीहोईजाई च
उपकुवारे घारदेवीवसेहाडे गाडेउतारनेसंकोसेउतार माढमलेउतार अजेपालवडापीर
छाडजाहुरे व्याधेतुरुहसरीर गंगागुपीमासीभाराजी मावलीमाईउतार आवरेया

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

ॐ



धे दाहिणे पाय वणा थंड करणा ववणा थंडपांज पांडो वमे भीम मेरो वांजरणी लाई वुां
ज महोगो ली वटोली जाय समुद्र वाहांड फलु मछे षाई कालु लुहारे ओडा जाल
सफलु मछ जाले लागा दील विच्या गुजरा ते वेच्या दशोजरा रवाया वृद्ह मंडल पडोह
वाले कंत वडी वाध्याई द्रौपदि थंडे मंगलषा धाचरा चमारे चंवडे वाधी नेत लकड
कावणी लाई नकुल मुसल कूटणी लाई नकूल ची झूल घडणी लाई अर्जुण
वोवाणा कील भीमसेन के ताणा कीलु ह्याम तके मुदगरे चूर हचन करे विकार नाक
रे शल णी सर्व हताकरे शूल नाकरे माघे मासे घेवा मुझारे काम सवारे लाई रवाई
दाषे जंभरे वृजीवरी ये षटे मीठे अमले मेघमंडले छाटे न्हार धोये कपडे देषे अवा
विकार नाकरे रातिदिन सुना जागदे वारा विकार समाका वंध कीलू देल्ला वंध सेत
वंध पवणा पाणी का वंधः गुरु वंध कुरु क्षेत्र का वंध आठुणा वंध माता पिता का वंध
फरा का वंध अथंड का वंध नीर घट का वंध नरंजन का वंधः कंचन का वंध मा० रामः॥



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

हादेवकावँध चारवेद चौराशि सिद्धकावँध एकवँध दोईवँध तीनवंध चौराशीसिद्ध
कावंध मातसेतायकावंध आठवारकावंध नवग्रहदेवनकावंध तेतीसकोडदेवते
कावंध नवनाथकावंध सप्तऋषिकावंध वाराजतीकावंध दशदिशाकावंध आठ
धूरकावंध शब्दसाचा पिंडकाचा फुरोमंत्रईश्वरकीवाचा वाचासोच्लेताकुंभीनरककेमे
गले २ इतिसर्वव्याधिमंत्रशुभम् अथभूतप्रेतजडीमशारादा ॐश्रीगुरुकोआदे
स हाकमारोगांडफारोहाथवाजुल्हेहडुहाई कलूआवीरकीकाहूपेकहदेह ॐवि
समिलानकयासीलाग मरूमदाविर आयावामे हाथकमानदेयोवावीजिलेवांके
पूना तूजागता आया औरवाजता आया घुरता आया किलकंता आया तुरकायकिस
वंध तीनगउकासिंगवंध तीनभैसकासिंगवंध मनमाईदेवीवंध पीछावेठावरावंध
रागरासुधिलकावंध आकाशईवंध कालावंध कालाभैरोवंध नवनारसिंहकावंध
दाढवंध वेदकंवंध भूतवंध प्रेतवंध देतवंध कालवंध डाकाणीवंध दानोवंध छलवंध

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

ॐ



छलिद्रवँध॥ तापवंध॥ तिजारीवंध॥ अगीवंध॥ धारवँध॥ जिवजागोजिववंध॥ ईकुलस
असिहजारपिकंवरवंध॥ कीडुहाई॥ नेराविडा अनंतचले जिउंजिउंजागातिउंकर॥ दासो
दर हमकोपकड देउ॥ वीवीजिले थांके पूता स्हवर मुरदा भस्म गा करो॥ वीवी आमा वांडे हुध
पीवे॥ ईलाईलाईलालिलाषयकू महह मदवीरहंकारः॥ २॥ अथमंत्रडंकणीका॥ ॐन
मो आदेसगुरुकों आदेस॥ ॐनमो नारसिंहायकपलकेशाय॥ स्वेतसिंहाय॥ वहुरू
हविभूषणाय॥ नवपमादे असाथमाधाय॥ डाकणीवांधो शाकणीवांधो॥ छलवांधो
छिद्रवांधो॥ डुष्टवांधोमुष्टवांधो॥ मडवांधो मशाणवांधो॥ हिमाचलगढसवांधो॥ ॐह्रीं
ह्रींह्रीं क्लीं क्लीं श्रीं श्रीं हांहां फट् स्वाहा॥ मेरी भक्त गुरुकी शक्त फुरमंत्र ईश्वरकीवावाफु
रे॥ पुनर्मंत्रडागको शिरसो करोदा॥ ॐनमो आदेसगुरुकों शिरगायेवस्तरा॥ पारेंगायेकु
तला॥ पायर नरेहरा कुसमकी डुडीवेधस्तान करे॥ फूटफूटके मेरे शीमरे हाकनी डाकनी मे
रे॥ शेलीकुंदीदीपदहोठे॥ घेघेरे ठंहंकादी॥ फिटफीरिद्धदेउ॥ मसुद्रामातापिंजराजाहे रामः॥



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रे षचरी तंह्रां मंजरा॥ गौरी कातंत्र ईश्वर कामंत्र:॥ मेरी भक्त गुरु की शक्ति फुरै मंत्र ईश्वर
की वाचा॥ ३॥ पुन: मंत्र डागको॥ ॐ काली काली महाकाली॥ शिर गये जटा मुह वि
कराली॥ षाये डेरे मशाणा॥ दूध पूत अग्नि विध सिध आणे॥ चले चलाई आय वैठे उ
नईं वारे॥ वायुरी माई कान्हन काकी पुत्री अव पच षणी॥ काल कंठको भषणी॥ इस पिं
डे उम्रनाटक करे चेटक करे विज्ञान करे निसको भक्षणी उर्ध कुंड मे फाटी फूटी मरे
मेरी भक्त गुरु की शक्ति फुरै मंत्र ईश्वर की वाच॥ पुन: मंत्र डागको॥ काला लोहा काला तंत्र
कीलूं डंकणी तेरा मंत्र आगे चर्या पीछे पूणी तूं फिरै डंकणी मंत्र वहुणी॥ ईस मंत्र उ
पगर्भ करे डंकणी उर्द्ध कुंड मे फाटी फुटी मरे॥ मेरी भक्त गुरु की शक्ति फुरै मंत्र ईश्वर की वा
च॥ ४॥ अथ पुन: मंत्र डागको॥ कीलु लोहा कीलु तंत्र कीलु डाकनी तेरा मंत्र॥ डा
कनी शाकनी और सिंहारी मार कुंडे पाथार समुद्र पार आगे आवे ताला दाहसो
त्रिशूल उर्ध करे अर्ध करे उर्ध कुंड मे फाटी फूटी मरे॥ मेरी भक्त गुरु की शक्ति

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



फुरमंत्र ईश्वरकीवाचा॥६॥ पुनः मंत्रः ॐनमो आदेस गुरुकों॥ हनुमंतवीर वपडालो
हेका कीला॥ वज्रकछोटा लतिशकाया॥ नासेभूतप्रेत कीछाया॥ इसपिंडे छाया
नारहे॥ एकवीशतीताराजप॥२१॥ मोहरामंत्रजपे॥ इसपिंडेकीरछ्यापान्निसिंघद
र॥ मेरीभक्तगुरुकीशक्तिफुरमंत्रईश्वरकीवाचाफुरो॥ इतिशुभम्॥ अथमंत्रवांथ
ईका॥ कालीकंकालीमाहाकालीब्रह्माकीपुत्रीइश्वरकीसाली॥ कडकचीनतह
जावेलालीहरचंडालगी॥ हरचंडालगीहरचंडालगी चामकीकूथलीथैथली
हाडकीजपमालाफुर ?मंत्रईश्वरकीवाचाफुरो॥ अथमंत्रजोईस्त्रीमरदनो ?गाक
रे॥ कुमारीकन्यासोसूतकाताईकेकरदेगा॥ नमदनोअछाहोइ कंवूदेशकाल
कामाई ग्यारांकीलोहेकेल्याई कीलाडंकणीनेरी चारवीअसाविक्ष ?दवसा
थी कीलोडंकणीनेकान॥ रामधनुषलछमनकावान॥ डंकणीतेरी ?सरीकी
लावजरीकीलाकीलानामकुंडलकागोला नोदरवाजकसरकीलाकीलाइश्व

सू

रामः॥



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

र भोल्ना ॥ मेरी भक्ति गुरु की शक्ति फुरो मंत्र ईश्वर की वाचा ॥ मुंडे स्वंडे इंद्री परहु स्वाहा ॥ इस
मंत्र साथ ता गाने गांठ रा फेर धूप देवे कवाये ॥ रवि दिन ता चंगा होई ॥ अथ मोहणी मंत्र ॥ मो
हो जो हो वस करा नी नाहि पर मारा ॥ सभा द्वार जा सके मोहे सकल जहान ॥ पूला णी किस राजा
की वकरी परजा करा विलाय ॥ इस शब्द हमारा मानने नहीं ता को भैरो की दुहाई ॥ हमारी भक्ति गुरु की
शक्ति फुरो हो मंत्र ईश्वर की वाचा फुरे ॥ अथ इस्त्री मोहणी मंत्र ॥ कंवरु देश कमख्या देवी पर घरा
पर ज्योगर जंदा आवे नेरा ॥ मलो णी जे सोजा सूती काली पीली सरसों तूं मरा सूना जिथे जाय तिथे
फलाणी सूनी होई सी उठी ल्याय उदाई ल्याव ॥ उचटणी ल्याव ॥ अभरणी ल्याव ॥ हमारी सेज आसू
नी वे ॥ जे सेंयु चोदसी नाहीं ॥ नानूर हे पाव पवसी नहीं ॥ तां कंवरु देश कमख्या देवी तेरी शक्ति मेरी भक्ति
फुरे हो मंत्र महादेव की दुहाई ॥ विधि ॥ हजार जप करणा होम ता होम करणा ॥ कमख्या देवि का प्रसाद
वंडणा ॥ मंत्र सीधी होई ॥ काली पीली सरसों मंत्र के उअपाणी ॥ सात वार मंत्र पढना वस्य होई सत्यं भ
वती ॥ अथ मंत्र तेइस चौथई रुका ॥ पिथिपत राजा मिलवाहणा ॥ मिलवाहणा का अजेपाल ॥ अजे

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



पालकाओवृवीर॥ शोयवीरके मातपूत॥ नितीपरम हजूर॥ तिडानेईया॥ चौथईया॥ च
ववीयरायतेलके बांधो: बांधो फलागीकी देही॥ धरायेयईपजापांवधराउं॥ महादेवकी वा
चामेटलेतो कुंभीनूरगा चमारीके कुंडमेंगले॥ सातवारमंत्रपढे ७॥ ६॥ अथमंत्रडाकरी
कीलगोका॥ ॐनमो मवारा मवा हो हन मवाहा॥ उमतरपूरा॥ २१॥ वार एह मंत्र पढणा॥ डा
करणीदाशिर मुन्यायाजाय॥ जेहजुर अपणो करणी होइ तो अपणो हाजुर होई॥ ७॥ अथ
मंत्रडाकणीदा॥ ॐतासा तरमानूसाजवान॥ यलमरा भवर हपरु मंत्रपठनो वार २१ मरसो मंत्र
गीवालककोंझाडादेणा॥ डंकणीदोयजाय ८ अथमंत्रथणेलेका॥ कच्छगलीका॥ वन
मोथ्याहि अंजनी माईजाइपूत हणमंत॥ कोथथणेला और वाधनारकरे भस्मंत:॥ गुरु
कीशक्तिमेरी भक्ति फुरमंत्र ईश्वरकी वाचा॥ एहवार मंत्रपठकेगो हदी स्वाहाकीकारदेणी मा
तवार मंत्रपठे सातहीका कारदेवे सूर्य दिने॥ एक दिन पिवतीनवार झाडा स्वाहाकी कारदे
याकरणी सुखीहोयसही अथहलके कूतेयाकाउपाइ॥ कुम्भारके चाकतेमांडाउतारके समः॥



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

जो मिटी रहै सो लेणी फेर अमृत को गुको यके कपडछा साकरे ॥ फेर उसकी गोली करे जि
थे स्वान लडै उस जगा मे फेर मिटी हाथ फेरया करे मंत्र पढ वार ७ फेर मिटी देये जब तांई मि
टी मां केश निकसे तब तांई झाडा करे ॥ जब केश आ ओ तै रहै तब चंगा होई । फेर सवासेर तेल
काली काली काकी पीठ पर पावै ॥ सवा गज माल ९ मौली देवी के देहुर ये गा जिसको कूता ल
डा होय उसको देया वरणा चंगा होई १० ॥ मंत्रः ॥ ॐ कालि कालि चरी कूना रुद्र ति पिव नि से
ला रस रसं आंव धे आ रूरू आ कुरु कुरु आं मं जारं रूं आं वेग चढि आवे हलक चुकते गुरु
की शक्ती मेरी भक्ती फुरे मंत्र ईश्वर की वाच ॥ ११ ॥ पुनर्मंत्र ॥ ॐ ह्रां ह्रीं सर्व विष क्षयाय फट स्वा
हा ॥ झाडा देणा वार २१ पाणी भी मंत्रणा वार ७ फेर उसते पाणी पियाउणा वार ३ सात वार झाडा
देणा तद चूली पाणी पियावणा ॥ इसि प्रकार तीन दीन पाणी पियावणा दिन अमावस वार ३ झाडा
देणा जब तांई केस आवे तद तांई झाड देया ही करणा चंगा होवे सही १२ अथ कुत्ते वा रदा
मंत्रः ॥ ॐ कमरु देश का जल मल कूता हो के न भौंके न या मगन पीवे ईश्वर महादेव की आग्या

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



लागे गुरु की शक्त मेरी भक्त फुरै मंत्र ईश्वर की वाच माडादेगावार ७ रालीक्ता लाग्तागाला
गाविय उतरे ॥१३॥ अथ कुत्तदीदाड़ वन्द्र होदा मंत्रः॥ ॐ जागजावगाषडी राय चोर न टके कुत्ता
न भौंके रक्तन करे गुरु गोरषराय मेरी भक्त गुरु की शक्त फुरै मंत्र ईश्वर की वाचः १४ अथ मंत्र
हीका॥ ॐ वामी कुयी ववसे वामन वीर की पही करे पाड़ी चीर आगे धावमाता रामन्तवीर की दोही
होसी मेरी भक्त गुरु की शक्त फुरै मंत्र ईश्वर की वाचा: वाजेवार ७ धागा ल्याराम मुष्य होई: १५॥ अथ
सर्प का मंत्र:॥ कौकला माई डेरू वाजे चढ दावी शापछा हु भाजे गोकुल म्हारे थापिया राज्यु
पि गांये विष घोली के वाषा रूष्पां ठेमुड्डे न पाया गोरष रायने कीया हुंकार वीशा जाय मनुष्य पा
व: कालीविल्ली पीठीपायर: गोकुल मंत्र टाई आषर: वेद अभी वेदगावडी सिंह पलाणो आ
पो चाढ तुर कालिनाग गो वासुकी ये धीये ते मेरा वेंध्र विंझया तूक्या जाणो वेदगो आदजा
गू पछन जाणू काला घोडा काला वागा इनी मंत्र उत्तरे वासुका नाग दर्याय फणा यर चडया
चूडई वारा गुरा सी ढरी या नासा: ठाग वठाई माढ गारान आई काला घोडा काला वागा॥



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

सातुरेपतालेजाईवासुकानागा मेरीभक्तगुरुकी॰ १६ अथसर्पदंष्टनक्षत्र:॥ य: कृत्तिका मूलमघाविशाखा सर्पर्क्षकाद्वा सुभुजंगदंष्टः सर्वेनतेयेन सुरक्षतो प्राप्नोतिमृत्यांवद तंमनुष्य १७ अथसर्पमंत्रगारुडः॥ जोधावेधनरथानागीदीमाई: सोडानामकोरेवेमा ला हरहरनागराधाई॥ लहुडेवडेमुंधरडेचुगोसमुदापीर॥ पंचपहारेविषहले अमीझल वेनीर इससपिंडेनिर्विशगई सरीर जोदातागुरुकेतनडीकालीमागरामेंघलाई॥ झकनडं कोजगावेमोई॥ आकनडंकजमारेमोई:॥ अथकोईपीहापंडता॥ यहीयाठाव्याचाइवेग मंत्रवीरसासववेंलहरमंत्र॰॥ पुनगारुडा॥ हाथेकोकलडौंरूवाजे चडदाविषपछांहुंभा जे॥ यडीपुकारेकोकलमाय: हीक्यागारुडदीयापहुचाय: गरुडेमारेवाहीलालजाये रेवीसासनतेपताल: मेरीभक्तगुरुकीशक्त॰॥ पुन:गारुडा॥ वांधोअष्टकुलीकीजाढ: वांधोवासुकंकापवार: ईश्वरकहेमहादेवपंधाकुंधूलीयेर तीहजुगो: मेरीभक्तगुरुकी॰ पुन:गारुड:॥ विषउतारेयिनयिननेनकमाईजोकोईडंकजागातेउठडंकाजटासमा

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



लनववीसगउकीखडी: मरातोलाला विसडोल: कलसें भरे भतकरूं उहरचूहर वरवरू
कराहुं: चुंजरीछोलवमाहु च्यमीयामेघधारवरारहुं च्यमीयाकाछीपपाहुं: चुंजेठोका गरूडे
याहुं: गरूडे मोर वांहीलाल: जायेरवीमासतरेपताल: मेरीभक्त गुरूकीशक्त: पुनगारूड:॥
हाडकाकोरडाचवे मडियो उपरे छेलपंछेवडाधरीयो च्यमीयेकीपापसाउ: ऊप।हरचूरूरय
रूकराऊ: च्यमीयकाकाछिठपाहुं: चुंजठोक गरूडेयाऊ: गरूडे मोर मारीलाल: जायेरवि
यासत्तवेपताल: मेरीभक्त गुरूकीशक्त: पुन: मंत्र:॥ काचा करूवा च्यमीयाभस्या नेईसपारव
तीधरीया: इश्वरटालेपावतिन्हाईसोभारवीसकानरवीसहोईजाई: मेरीभक्तभक्त: पुन:गा
रूड:॥ ढोलढमाके विरूजोगरजाऊं: धोयेपीड मकरामिरमेरेटकारा: च्यैकल वेकल
छलवछडे मरारडाली: तायतलछलोवाधारमेरावांरहे षडानिरधार तेलेवीवीगासन्हारा
विरूराजारारावीहारा नौलयद्वारेनौलयवाडो स्वोनापीडावल्लाचाटे गुरूमुद्रास
डेपडे सर्वदोषनिवारोडाछाड जीवरूपपडेभूय: दोजगात्नाग्याहेत: होके गुरूकीवि



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

घा मर्नी नरकेतसवैंलहंमाकेमकलाहा हंमाहंमराीपदमराीकडनाघडे कनारः तभे
कमपिंडयाडानाकरः मेरी भक्त गुरुकी शक्त० पुनः गारुडः॥ संयडुंडवडीवाजेकलम भया
धनंतरगारुडतुचाहरे आयाः कालीनागराराजापारडेस्याजगोवराजाहुंः आगापीछालो
टिकयाडीवैदोयांहु पूर्वहुदीनारी आईहुंहुकारकारदेयाईः इछारमटपंवदी आईवडपीय
लदंहुदी आईवडुखडुंदेवागगराामाटीउतालेवालानाथचलाहुंः आराा गंगजमुनाने आ
लूकीलो आठकंठजीभमोनालूः तललीजायतलेकीलो उपजायकीलोगासकालीनागरा
केजायेतेउकाढमासः मेरीभक्तगुरुकीशक्त०॥८॥पुनः गारुड॥ एकपातवडलाउदोईः या
नेवडलांऊतीन पातेवडलांऊचार पातेवडलाऊः पंजपतेवडलांऊछेपातेवडलांऊः सात
पातेवडलांऊः पाखडोटालांऊः आथेपाथेमर्पलांऊः सर्वगारुड टलाटलाऊदेषमर्पतू
मेरीओडे जांहापहु चेगुरुकीहाक: तहांछाडेचाम्वाकः जहांपहुंचेगुरुकीदृष्टीतहांनू
कोश्रिष्टीमेरीभक्तगुरुकी शक्त फुरेमंत्रईश्वरकीवाचः ९ पुनः गारुड॥ मलसतछ

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



रीदेसीवरोराहल्मरा हुक्ता लोयमेकेवटीवाले गुडाधरीरधूरांदीमेंतटेथापकामे
ऊनरमेंपासायले: नमेकेवाटीराले: गूशाहांथभ्भोदा गांढवीमरकाले: छांडेमा
टेहोकरडांडेपीवलेरतनालेमोतडीयायुगाहोयेलेलयचितमनवाला एकजोनागाना
गावेटी: नागणीवाम:हल्लालेनीकोचनलाई एकाल्लीयादगुरुजुवडेहरतेभीतेन
कहीये छे छेती भया लेवीधेवधेवालडीगाहूमीगाहूच्यवरतडीई: ईमलेयेकोवनलाई: स
कामीयादगुरुजू वडेवडे पेटकुनाले अष्टकोडीनागाकंपेईन्हाकवगामभाले जगणाम
ने च्यापणाजापरेहे सूर्यपयाले मेरीभक्तगुरुकीशक्त फुरमंत्रईश्वरकीवाच॥ अथसर्प
वन्हरोगोका मंत्र:॥ वडीकेपेटवडोटाजन्म्या जाकेडंकेमहादेवआया शंखचूडकेपांवडी
गजमोतीकोहार: पदमनीचलीपाणीयेलेकाहुयाजोहार: लेकासेकोटममुद्रसी
याई: वांधोदाढविषचरकीदियाडुहाई: मेरीभक्तगुरुकीशक्तफुरमंत्रईश्वरकीवाच:
पुन: सर्पवन्हगोदा मंत्र:॥ ॐ आदमगुरुकोल्यायोगंगाजमुनकावालकीलोगतेरीमा राम:॥



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

ईजिनिसँतुजाया: कीलोतेरीवह्माभाँराजी जिनेतूगोदयलाया: कीलोतेरीराहवाट जि
सराहवाटतूआया: कीलोतेरीवंवीजिसवंवीमेउप्लरानागसमाया: शब्दसाचापिंडकाचा
फुरोमंत्रईश्वरकीवाचा: वाचासोंटलैतोकुंभीनरकमेगलै १३ पुनसर्पमंत्र:॥ उँनमोआदे
सगुरुकोढोलढमाकामेस्नायाकोकलेमंत्रमेरानासुंजांहाँसुरोमेरानाउँ: उँहांछोडेचा
रेगाउँ: जहाँस्नोमेरीहाक उँहांछोडेचारेचाक: शब्दसाचापिंडकाचाफुरोमंत्रईश्वरकीवा
चा १४ पुन: सर्पमंत्र:॥ उँनमोआदेसगुरुकोकैलाकोकलापरस्नाधारे जटीदेनविठोवे
लढमाकेविषउतारे: कालीविलीनीलीपावर कोकलामंत्रढाईआवर शब्दसाचापिंडका
चाफुरहोमंत्रईश्वरकीवाचा: वाचासोंटलैतोकुंभीनर्कमेगलै: मेरीभक्तगुरुकीशक्तफुर
ईश्वरवाच १५ अथसर्पगारुडा॥ पहिलाआयावासुकीनागापहिलाकतराआयापहिला
घायापारीकराजा पारिकराजाकोंशाघाया जधकजायातधकघाया पारिकराजवृहतिवाली
वासुकेनागअधमेढाली॥ फुलकलीशिरलागी॥ शिरउपरघाया: शिरकलीपरेहेठपडे

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



रह॰
पयसंपैखाधा॥ तेरागारुडी कौंणगोंदा॥ मेरा गारुडी जलंधरवेद॥ जलंधरवेद कौंण होंदा
जलंधरवेद समुद्र पार॥ समुद्र पार कौण जाला॥ समुद्र पार हरा मंत जाला॥ दोई स्कुनारस्क
ईनाघडे॥ दोई लुहार लोहघडे॥ दोई कुटण हारी धानकूटे॥ हुणी जाते हुणी च्याते हूणी
हुणी कामक मात॥ वेद रीवेदणी पूछणा लाया॥ नूह याह मंत को हाते च्याया॥ हौरवेदणी वे
दपे च्याया॥ वेद वोले हाथो परयाऊं॥ वेद वोले हांउ परजाऊं॥ गांठी रटी पी हरा मंत खोल्हे॥ पाय
पत्तलडी हसा मंत घोल्हे॥ मरु चलयो डा हरा मंत दिन्ना॥ कोकला मंत्र वालदा चूल्ला॥ सूका
काठ फल्लां दा चला॥ हरेड रु फलों चला॥ वासुके नाग अधमे ठाला॥ नूर मास्तड कंहुंते चला॥ पारी
क राजा सर्प पायां॥ पारीक राजा में ही याधाः मेरे याधे कोण जियारे॥ तेरे याधे हांउ परी जियाऊ
नूर वेद क्या जाणे॥ नौको हृच्च गांहुं जाणः नौको ह पछां हुं जाणू॥ क्याडी पाछे मंत्र जाणू॥ उ
लटी सर्प क्याडी पाया॥ वेद ने वेदणी व उ को किल्ला मंत्र वोलदी चली॥ छमा छिर सूवे जियार
दीचली॥ वासुके नाग अधमे ठाली॥ रेवेदणी को हाते चाली॥ मेरा गारुडी सर्प पाया तेरा गारु
डी में ही याया॥ मेरे याधे कोण जियारे॥ तेरे याधे हांउ नूरी वेदणी क्या जाणे नौको

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

ह आगांहुंजाराः नोकाहः पछांहुंजाराए क्याडीपाछमंत्रजागु ठंग आठवडेएकोट हरी
वउमकोगालिाई दुधकटोरीगसिजगालोया चारिधूराबाजगी आगीपाताल समुद्रबांजी
आगा तातेल्लछडकगाल्लाया मुनापांहः गूगामेशीयमाया विषमेरा निर्विषजाया चारेबेद
कीवाचा आदेसगुरुकोधन्वंतरवेद नागादेदासिआये मोरमोरपरमोरवेस रहोनागन
यारः विषसंकल्लहरहिमारे कालाकुमाललहरमारेः पगवेठवासुदेकीरागी ठुंगेमा
रकोरविषपाराी नीलकन्ठकीपहोडागल्लमोतीकोन्हारः पदमनपागीकल्लर लन्का
लेहाजुहारः लन्कासोकोटसमुद्रसीपाई गौरीकासिरहाडउत्तारः उत्तर विशानोको
गुरुकोदुहाई नोनाडीमहोउत्तार वहत्तरसोकोठडीमहोउत्तार जोउत्तारे नाहीताशि
वशक्ती शिवशंकरविशानुशंता: मेरीभक्ति गुरुकीशक्ति॰ अथमंत्रसर्पका॥ गुक्तिगुस
त्यमोममरामजाई आनकाटकोपागीप्यावोकुटयाउत्तरजाइ मेरीभक्ति गुरुकीशक्तिफुर॰
वारः वार २१ मंत्रकेपाराीप्यावकेकटकोकेपवरल्यावगाआल्लकोविषउत्तरजाइः

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



पुनः मंत्र गरुडा॥ ॐ आदेस महादेवके नाम वमदाहै: कंनेलगे वमरुदे कारनेहोइर
हे दाहै: पियमुषपयो फरा॥ वियमुषपटरा॥ हार: आदवचन गुरु संम्हले॥ जो विशाम
नो म्हार: कहो मूता कहे पकुता: तेनर गरं कमलनाम: ब्रह्मा अच्छर साधिया तो वीशा
निर्विश होई: डुडा तिलाकी रिदांतपीडा रतेले वहाय मेरी भक्त॰ पुनः सर्पमंत्र:॥ वि
षमनि पुत्र भर गरुड की डोही गुरु शक्त मेरी भक्त फुर मंत्र इश्वर की वाचा पा॥ मंत्री के दे
गा॥ के भमंत्र ढोलपर लिषके ढोल वजावे गा॥ विष उत्तर होई॥ इति सर्पमंत्र सपूर्णो शुभमस्तु
अथ मंत्र विछूका॥ ॐ विछु कारियाला सुइनेका डंक रूपेका पनाला उत्तरता उत्तारे नाहि
हनमंत वार हकार जाहिरे विछू गुरु की शक्त मेरी भक्त॰ आदेस लोहि नाथ सतवार झारे
विश विछूका उत्तर जाई॥ पुनः मंत्र विछूका॥ पारसमुंड लाई वाडी तेते उपजी केल वहाडी: के
लवहाडी की या गोहा तेते ते विछू होया: टकोरे तिकुर शागा॥ यारा॥ पाथर हेठ कुशागा॥: आ
आद जागा सुलाद जागा हं सगरुड छाडी लाल: जा विशा सततो पताल: मेरी भक्त गुरु॰ रामः
१०

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

पुनः मंत्रः॥ ॐ नमो आदेस गुरुकों तेरा नाउः काला बिछूँ कुंभर वानाः सूहे गाइके पेट उप
रंनाः कहारे बिछू तेरी जाताः तू जन्म्या आमावास्या की राताः षपरी की डंडी म्हेस की धारः
उत्तरो बिछू लगन वारः शब्द साचा पिंड काचा फुरो मंत्र महादेव की वाचाः चील्ह का छिल्ह
काला ते ३ अथ माहुरे का मंत्रः॥ आदेस गुरु कोः धिह्लिनका रीपदीका घटः घट
का नर घटः नर्घट का निराकारः निराकार का निरंजनः निरंजन का कंचनः कंचन का ईश्व
रः ईश्वर का ब्रह्माः ब्रह्मे का विष माहुराः तां कोरा कोरा माहुराः भिंगी मकूल्या करा गराः हला
ल माहुराः गेरूः हलदः कपडे आलः सकेडे आलः कंड्याल दुधियाः लभरा माहुराः
ॐ तपत दयाया काठी उत्तर माहुरा गोवर माटीदाः कालकूट माहुरा हरे वहाथे वावे पार
टलेः ईश्वर की पूजा टले जे तू वाधा माहुराः उपर चढे सिर चढेः आचु चढेः तीर पर्वत पोध्या
ह पडेः मेरी भक्त गुरु की शक्त फुरो मंत्र ईश्वर की वाचः सूँदर सूँ धींव धाकाली का पाय
री ब्रह्म जे काटी मिटी उत्तर वी शा गोवर माटीः दाहिणा हाथे वाय टलेः जे तू वाधा माहुराः

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



ऊपर चढे सिर चढे अवर चेरणी माटी जिऊ ढेमें पठे: तौ गुरु की शक्त मेरी भक्त॰ गा
गी गुगी दो थाई वहरा। जिसकी मेजा नूपाधरे नूपाधा माहुरा ऊपर चढे सिर चढे आ
चर चरे अनिल पर्वत जिपोटह परे गुरु की शक्त॰ होमकटी फत्त: नूसको अमराबु
त्ता: गोरी पैर न्साई अरे याय पीठ महा जाइ: गुरु की शक्त॰ १ उशुनि गरे विशा होत
तेरी हठके वछेडी: नूसेरा मर्द गुवाल विनाया या हिफ टके विशा यो हरीया कु॰ गुरु की
हा शक्त फुरो मंत्र इश्वर की वाचा: २ पुन: मंत्र माहुरे का॥ मंत्र तेरा माहुरा के गुरु से शिर ज्यूं
जिसंद षेदणी पर मागडेरे रांसी राती जाय। नारायण के भागाजे माहु साई नी मंत्रे निर्वि
शात्ता: मेरी भक्त॰ उपाय:॥ अकका दुधलगमेती मर्दन करे अंजन करे माहुरा विषजा
ये: चावल के धोवण से ति माहुरे का विषजाइ॥ पुन:॥ अंवली के पत्र से तिमर पका वि
षजाय॥ पुन:॥ निंब के रस से तिडंक पाछ देइके मलने से धीलेप करके विछु का विषजा
इ॥ अथ फणके विष उत्तारनेकी औषद॥ स्वेदवागकी जड पीसिके उसकी पाणी फला राम:



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रविषउतरजाइ पुनः लालबांगकीजडदेवे विषउतरे माहुरा विषउतरे॥ पुनः औ
षद भांगकी भांगकी औषद भांगकीजडपीहके घटीछाहदेवा॥ अनपीछैतेदरा॥:
भांगउतरजाइ॥ अथमंत्रसपका॥ ॐनमोभगवतेश्रीघोरोहरहर दरदर परपरतर
तरवर वर धवधललललांलां हर हर भसभस मर मर रांरांह्रींक्लींह्रींह्रींभवावत्ति
श्रीघारा घःघः ठः ठः संसंवतरवरवस घटा वरस्रूपेह्रींह्रींटवरापिहंगममानुष्य
योमछमंत्तववदतद सेवरीठः ठः स्वाहा: मेरीभक्तगुरुकीशक्त फुरमंत्र ईश्वरकी
वाचा अथचोरीजाईघेडफेरणादामंत्र॥ गुरु गोसांईको नमस्कार: पारलंका आपकु
म्हारतिनिघुटीमाठीईश्वरे चढी गोरीहारठाउ आया ईश्वरेपडाभ्रमाया फिरफेरईश्व
रकेतप सीताकेसत: हनमतकेडप कालकाकेवचन: गुरुकीशक्त मेरीभक्त फुरमंत्र:
अथचावलकोमंत्रचोरको॥ पंचवीरकोनामंत्र: आरा चावलवानेतंत्र: कीलूशोधग
लपराएसाधेराये चोरेमारे मेरीभक्त गुरुकीशक्त फुरमंत्र ईश्वरकी वाचा वार ७ वार

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



मँत्रँ:॥ अथ कठोरी कठोरी दा मँत्र:॥ ॐ हरि धम्ली अधमलँ लीजे शँथपटगा का हल्नदी
जे चलो ईदु अग्नि चलो तेतिस कोट देवता चले नारायण चले शिव चले सूर्य्य चले मनमथ
डंवर चले कामख्या देवी चले आज्ञा फुरे: चल हो चल वेगवंत होय चले: इंद्रराजा की आ
ज्ञा हीसी चोरा नो कुंड: साध सचा रय रूठे तूं ही विचार: महादेव अज्ञा ह्या मंत वीर की आ
ज्ञा चल चल फट् स्वाहा पूजा डांडीरी करणी: पंचगव्य भी पाणी डोरी वन्हणी: मेरी भक्त गुरु
की शक्त फुरे मंत्र इश्वर कीताच:॥ अथ चावल चरा गोदा मँत्र:॥ आनहो चाव मुली पंते: तूंसे
ययाका लीया कंतक पडीया वुल हो निरवीर: चावल चताडा चवा हथु क शोय: दुं होठ कंठ
भारी हो: माधा चारों वीरहो सच छोड हो असत मारहो मोषिया वीर तेरी अज्ञा चले मेरी भक्त॰
चोरी दा मंत्र:॥ ॐ नमो सिद्धि रामा चले राहणा चले ईड कि ईडाणी चले संसार ते गयंद चले
पाताल ते वासक का नाग चले: इकल वीर हनमंत चले मुणी हेना राजा को नार सिंह ते रीछे
रक्त नैर मंत्र फुरे ॐ सिद्धि स्या कोरा कागद कुंभारी कन्या के हाथ देणा: अगमे करणा ष्वे राम:॥



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

नरोन्हो कागजउपर वे ७ मँत्रपढिके पाराा कन्याकेहाथ चोरका नामलयाराा॥ पुनः चो
रमंत्रः॥ तिवताली॥उसुवताली नाटे दर्वदर्व खाली॥ तिनचूल्हूतीनपारगी नाठेदर्व आरगी॥
आली माटी काटीकुकल्हरः ताता लोहा घडेलुहारः आला सुईना घडेमकनार॥ हे
रीहेरी सूर्य्यहेरी॥ रातनी याती चद्रमेदिठाः दिननी याती सूर्य्यदिठाः॥ चूलवे उताावलीच
लः दखराानीयातीदखराा चलः॥ पछमनी यातापछमचलः॥ उत्तरनीयतीउत्तरचलः॥सा
धदेयलूके चोरदेयहके: मेरीभक्त॰॥ अथईस्त्रीपुर्षवधनं तिसकामंत्रः॥ आदेसगुरुको
र उलटंतवीर पलटंतवीर कायाः॥ छ॥छोडछोड चोरकी मायाः॥ रामलछमनकीसीताकत
वनमासाई रामलछमनजायकरेः॥ चोरको छोडो ततछिनमाही गुरुकोशक्त १ रत्तायान
पत्रमिटीकरिहाकुघसिसीकरी पत्रलिषयाराा १ अथकमलपितकामंत्रः॥ कालाधोला
दोनोभाई कालावंध्याकडुनजाईः चिपीकोपलेलेपराीहोरः जाइगुरुकीशक्त॰ अथ
पानकामंत्रः पत्रपत्र पानपत्र मेरेमंत्रमोहनशत्रः जिसदेषादहोरएमित्रः मेरीभक्तगुरुकी

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



अथरतांजुलिकामंत्र:॥ रतांजुलि अउदिठिमेगरुडेचुरागीचुरागीषाइ गरुडेधस्याजि
ह्लाभाई: सतरतांजुलीदानिचुकाइ: पारसमुद्रेदीचुकाई कंवरुदेशकामूष्यामाई:लू
णाचमारीकीअयाधाइ: तिसपलटतिरतांजुलीनिचुकाई: गुरुकीशक्त मेरीभक्त॰॥
लूतदामंत्र: रामेदहासरमास्याचौघाट माथपीडासितरकर्षलूतकरोभस्मालूत: मेरी
भक्ति॰॥ अथननांशीदामंत्र:॥ गंगागोटकामराषाट: मदपानमछलीषाया डांकेपैसी
पीडाजाया हरेजोवरगलूणाचमारी हणुवीरनू हुंकारउतानाही नाठाकसो हणामंतवीर
हकारो अतेहणामंतवीरकील्केलावे अठोत्तरसौव्याधीमेरीभस्माहोइजावे लोहलंग
आई अवराभीमवटिहाकीश्रीरामेपाली अजनितेमाजायापुत्रहणामंत: अठोत्तरसौ
व्याधिभाभस्मंत मेरीभक्त: अथफोडीदामंत्र:॥ गरुअसमुद्रगरुडसमुद्रमांनसमुद्रेफा
ऊ श्रीरामतोडीहणामंत्तमारछिदिडाफोगलिफीहीगलगुदल्लहोवोगोनूरविशयुस
शक्तगोरषतरीरेषरेषदेगी २ मंत्रपठरा॥ गलघंडीमाह्लादामंत्र:॥ गोरीपुत्रवि राम:॥



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

नायकजाया: काल्हूयेकओरघडीहाँडी भटयाइगईघाडीहाडी उवले आलतहुडेगा
भरू उसाहे पानीलू गुरुकीशक्त॰ मंत्रनारूवेदा:॥ वानकावेठीपाईजनेउतारीकूयेमेडा
रीफकेनफूटे जलिवालिभस्मंतहोई॥ यादहीमेनारूवारहेचोदाहीगुरु: पितानाथकीमेरी
भक्त १४ गुडकीगालीकरणीवार ७ मंत्र: घाडकामेमनास्वेपरवांधे॥ अथमंत्रइस्त्रीडा
भमूतका॥ करकर नमो राह्मसोतस्यनम: गुर्वणीभसयतस्वाहा:॥ इतिमंत्रेतलमेचरा॥ इ
स्त्रीनोमर्दनकरे श्रीघ्रंगर्भप्रसुच्यते॥ मंत्रपहीकालजेका॥ स्नरह गाईकेपटमेकछउपजाका
लजा: कालजाघटे सर्वधेमेरीभक्त॰ अंगुल ७ काकानालेषवार २१ झाडाकरणा सप्तगंठ
काकानालकरणा: फरजताकानावधेततकल्याण॥ अथवाईकालजेकामंत्र:॥ केल
स पर्वतकेलासपरवृतते उपरकेलागाई केलीगाईकेपटकेलावाछा: केलसछेकेपटके
लाकालजासके सर्वधे: मेरीभक्तगुरुकीशक्त॰ २ ममर अंगुल ७ अथभांयीडाकणी
दामंत्र:॥ लोहुपाकलोहुनपूव लोहूनपडेनहोई: श्रीगोरखनाथकामछ्यामाई: मि

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



त्निकरी अविदीपीडाचुकाइः मेरीभक्त गुरुकी शक्त॰ अथपटपीडदामंत्रः॥ लक्ष्मणाजो
शूलव्यापीहणामतत्यायाशूलः आपपीजपभीया ओरकोचूके शूलः मेरी भक्त गुरु॰
मंत्रवेर ७ पढत्नाह किछुरीसा पाणी मंत्रणा॥२॥ चुल्लीपलावै हारकीसीनापट शूलजावे
अथपटपीडगालेकोमंत्रः॥ श्रीरामचंद्रचढियाहडारामचंद्रचढियागेला नाथु महंत
पाणीकीत आपीतारामादिनाम उतपगेलाः मेरीभक्तगुरुकी शक्त॰ सातचुलीपाणी
पलावणा॥ अथखीरपीडका॥ ॐनमोभगवतेनमोगुरुको आदेसः दषणादशमासकाकू
पाः उहांस्टवेकापांचः म्हारीठाकीडुषेनसिरः मेरीभक्त॰॥ अथमंत्र आधासीसीका॥
काली चिडीचुइचुइपरेधरलीपवनपास आधासीसीतोडीलीयालक्ष्मणमारीहाकः
पुनःमंत्रः॥ कालीयोगिणीकीलकमारे राजीयोगणीहसीहसिमरेः हणामंतवीर
हाकमारे आधीसिसिनसेः मेरीभक्त॰ अथदमनडुषणाकामंत्रः॥ इंडाकालीपिडा
कीलोकीलाजाढकाकीडा मेरीकीलीपीडाकरे तांहणामंतजतीकीडुहाईफिर मेरीभक्त॰

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

अथ दाड पीडका मंत्रः॥ समाल मही रामँत्र सात वार गुठै माथ गलमा कुहां ते करे दाढ को
कागद पर लिषे पीडा दुर होई: ७ ७ ७॥ अथ मूशे की जिह्वा तिदा मंत्र:॥ मूशा ममारगदाता
है न गौरी पुत्र विघ्न वाहन: दुषे षति वूहा दाढ गुरु की शक्ति॰ वार ७ मंत्र के मेहुं षेति वि
च पारा॥ अथ वाघ दा मंत्र:॥ वाघ वाघ रतिको राजात अचल वीर वन का राइ: चार नह के वा
घन षाया: उँदर दहकी मूडो माई: इस वन छोड हो अवर वन जाई: वन के मृग को ढाल लठ
ल षाई लेंबी पुंछट छोटे कान: इस वन अंच वीर पीर की आन: छिन अंदर छिन वार जाई:
इस वन छोड आर वन जाई: छिन वामे छिन दाहणा आई: दुहाई अँचला पीर की आव हमा
रे वराम क्या वाघ वुल्ला या भीम दुहाई: अंचला पीरकी जे आव हमारे सिम: मेरी भक्ति॰ विधि
जिस वरामा वाघ [illegible]ई तिस राश को॰॰ - - - - - - लेणा जिस राश रा हहाइ उस राश को र
षकी - - - - - - [illegible]न राो मे भेयु माहलेके सिर देणा - - - - - - - - वाघ ग्राम की सीना आवे - -
- - - - - - - - - की सिर सा चार दिसा डारनी दिसि दिसा हटदे आवणा: जिस मनुष्य की राश

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



राहहोई उमतेमेहो गठोते आवगा २॥ अथशशमूशेका मंत्रः॥ शशे मूशे हूये सो
हगा आठसो मोली मेह्रो के दाशोलूगा चोराहे की धूडलेगी मशाणा की धूडलेगी
आरगाकी धूडलेगी॥ मंत्रः॥ हाकेशशाबुलाये भीम डुहाई होई अंचुला वीरकाजे।
अस्ते हमारी भीम मेरी भक्ति॰॥ विधि॥ सभूक्तकठीकारके सूर्य्य दिनेमंत्र वार २ ३ छठ
त्तिथ लेगा सिंहलग्नलेगा पेतिविच जाइके फूकमारे मंत्र पठ सभक्तउडावु: पिछेपि
छे हूठके आवगा हथताली मारगी गहशशे गहशशे॥ पुनमंत्रः शशेमूशे डुहाई
माहगा गौरीपुत्र विनायकवाहगाः वाटघाटकी मिटी मसाणाकी छांई माथ चिव आ
वेतां हगा मंतकी डुहाई मेरी भक्ति॰॥ १॥ वीनवन्हगाका॥ मंत्रः॥ वादी आयेवाद करं
ते आशावादी वैठो वड पिपलकी छांया वांधो वादीका कंठ अरु कछाया वांधो वादी
माजवाज वांधो वादीका छानिरा घरीवेलकी तूंवडी हरे वांसका नाडा तुवीको वांधो
गा भैरो वीर भैरा मतवाला: जलवांधो थलवांधो वांधेतुंवा तांई: चुप होरे तुंतुवडी

राम:॥
१५

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

हराामंतजतीकीदुहाई: शब्दसाचापिंडकाचाफुरमंत्रईश्वराकीवाचा॥ बीनबोलतेकामंत्र:॥ लंकासाकोटसमुद्रसीषाई: बुल्हबोनुंतुवडीतुरेहरााामंतकीदुहाई: जलसोंबाल थलसोंबाला बोला तुंबातांई: बालबोल रीतुंविततुरेहराा मंतकीदुहाई: मेरीभक्त:॥१॥ ढाल पूंसेदामंत्र:॥ बालरषेबालनीकपालरषे अर्जुननाथगोरषपारवतीलिंडडेवीरहराामंत मेरीभक्तगुरुकीशक्त॥ अथकोल्हूथमणेकामंत्र: कालाभैरो कपलीकेश कानमुद्रा भगुवेशडंडीझोली हाथलीएनोषंड पृथमीसाधृलीए पगघटाउशिरजटाभैरोबुडाऊ बिनसउसाउ आशामेचापिंडकाचा: फुरमंत्रईश्वरकीवाचा॥१॥ अग्निथमणेकामंत्र:॥ ॐनमो आदेसगुरु:को अग्निजलतिकरधेरोमेतीतुमतुहाथ: मैतसबंधिपादेनारायणा माथमेरे ओठकंठजल मुषतलजलेतोगोरापारवतीकोचीजले: मेरा ओठकंठजलेतोमहादेवकीजले: मेरे ओठकं

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



ठ जलै तो मुष तालू जलै तो अंजनी को हाथ या जले: मेरो ओठ कंठ तालू जलै तो निरं
जन की धान जले: मेरी भक्ति॰ ॥पुनः अग्निस्थंभन॥ अग्नि थंभे अंगार बाइ हाथ जु
लै न गोला जले: मेरी भक्ति ॥अथ कडाही बंधन मंत्रः॥ ॐ उपछी मंदे सत वल्य ता ई
सीतल षम षाष मंत्र टाई: ईश्वर भोलानाथ भैगोरा न्हाई: तेल कडाही पानी होई जाइ
चूल्हे पछि हनुमंत षडा हाथ पालि काठी ले मुंदडा पोडा बैठी गोरष हाथ दिष्टि दे
षी पानि होइ जाइ: मेरी भक्ति॰ वार २१ मंत्र पढै कडाही ठंडी होइ: तेल जलै नही
॥अथ धार बंधन मंत्रः॥ ॐ धारा धार मझधार बांधो लोहे की धार: धार बांधो मात वार:
र षकारे श्री रघुनाथ आवे लोहू न फुरे घाउ: मेरी भक्ति॰ पुनः धार बंधन॥ माहि
के न सहकारी मल नृह हरं: काटी घाउ कटारक्त: नेही घाउ नही पूजा चंडीर आ
ज्ञा घाउ महवज्रा: त्रतारे पठेन्त: मंत्र राइका:॥ राई राई महा राई लंका पारते किन
मंगाई: जो राई तेरा जा या भेव दो जरा का करे विछेवं: एको गामारजा एकं स्वभा राम:॥



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

व द्विजरोगपाविछोइ नावकालाभैरौ तेरीवाचा फुरै ॐ रादिन दिन घेरै मेरी भक्त॰ वार ७ राई मंत्रकी दोइ तिचपाणी विछोडा होई ॥ अथ गोले चाल्लालुकामंत्रः ॥ ॐ गंगा जमुना सरस्वति तिन्हां वैठे श्री गोरषज गंगा जमुना सरस्वति गोरष वाला गोरष जाति ः तहां मुषन पाके पाव न उंसै गोरषवचने पीडा कटै मेरी भक्त गुरु की शक्तः पाणी मैंत्रे वार ७ मुषखुर धोणो ॥ अथ कीडे याधमंत्रः ॥ ॐ नमो पश्चिम देश वज्रीसुर नगी ति थैने याधी चारी वेतप श्वरणी वेषपतहां गो चाटीमसै ते पूर सनन घवा स्तु चकोना कोरा उपान सुरवखुर वाअवडो रोग शिर धुंजे मुषलाल करे गडके पिंचरवर सि गडके पिंडे विध्यान करै सीता गर्भ ऋषीकी आज्ञाफुरै मंत्र ईश्वरकी वाचः षडाशी ऋषीकी आज्ञाफुरैः वारावरसा षषरणी जतीये गुरुजी वाचा चारी मुषनपाके पांवनसटै गोरषवचने पीडा कटै गुरुकी शक्त॰ पाणी मैंत्रवार ७ पीणो नो देवे गो रोग जावे ॥ पुनः मंत्र गडके रोगका ॥ ईश्वर की वे

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



टीअंसेकीमालीगरुडेगलेमाई आवकीउत्तरेहोतोमंतिगुरुगोरषनाथमहादेवकीदुहाई॰
मेरीभक्ति॰ ॥ अथकीडेझाड्योकामंत्रः॥ वडेहेठवडोटल्लायातिसकेपेडेहेठमहादेवबैठाया
शषचुडेकीपावडी गलमोतीकाहारः लंकाजलंतेसीता निसरीलंकालेदुहाथ सीसका
कोठमिटीकीथाई॰ झडगएकीडेगलगईथाईमेरीभक्ति॰ पुनःमंत्रकीडेका॥ गंगाजमुना
सरस्वतितांहांबैठागोरषजति गोरषजतीयेवोईक्वारी तहांचुगेगऊह्मारी पाकेसुनफाट
झुरीफुरेमंत्रमहादेवकीवाचाफुरे॰ पुनःमंत्रः॥ ॐसातमतनिकेसातभाई सातोमिलिकेदि
हाई झाडेकीडेवांधोमांई हराममंतजतितेरीदुहाई झडेझडेधोलेतेदुपडे मेरीभक्ति॰सत
वारगटीमंत्रेकरकेगोमूत्रमाउपरसेटेकीडेझडपडे॥ अथगोकीनांदकोमंत्रः॥ लुवाआस
नगुरुदृष्टीकावंधः पांचौपानीदीजेवांधलेवाआमनवद्धीध्यान पिंडआनेकुपासदिनराषे
धारासूर्य्यदेवता रातकाराषेचंद्रमाधर्तिमातासदाराषे जिंउकोराषेमातालोहकोठा
लोहकाजीलोहकाकुरगीन उचासाकोटसमुद्रसीयाई राउमन्याजलघोडआभसा रामः॥



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

भूतहोईजाई मेरीभक्ति· मंत्रपढेवार २१धारदूधमेंहैसको गुगलधूपदीपजे मसा गजकपड
सवापैसा लोहकीमेषकरणी गोकादूध अंगुल १२ एरंडकीलकडी ७ वारा२ अंगुल
कीमाठीके विच घाराहैम गडारणी कचीलहसी षंडारणी धूरणी गाइम्हैसनोंदेणी गरैगो
रषनाथकीदेहा। कपडादीजे गोकामाग नसेर ७॥ अथमंत्र:॥ ओंगंगाजमुनासरस्वतिजं
हांवैठे गोरषजति गोरषजतीगोरषजती वोईक्याशीनांहांचरकामधेनुहमारी अंतगरूष
वजंतगताडी मसामसा विषझाडे दिहाडी: जितनावाणपीवे तितनाहीपचे गोकीरक्षा श्रीगोरष
जतीकरे मंत्रपढेवार ७ गोरषकीपूजाकरे आदित्यवार मंगलवारकेदिनलोभनकीजे गोकोरो
गजावे ७॥ इतिगोमंत्र:॥ अथधिरणीचदामंत्र:॥ ओंनमोहनुमंताय किलिशद्धाय भसनायविधं
सनाय: अचलचलणाय हणामंतवीर सर्वदोषनिवारणाय: हणामंतवीरकीमद्याफुरे: मं
त्रपढेवार ७ धूरणीदेणीसही॥७॥ अथनोणीनीवन्धण काँ मिस्सो करणा मधाणीनीवन्धण॥
फंफंफंफं कोंवलने कीकलि कऊँ कऊँ चुपडडाली विधन्नी भरभर भंडार भरदत्तनाचलेमेरा

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

ॐ
मं०मु०
१८

तेराधीऊनौंगी काकरांडे चौरोडा कयअलांवा मधगा: अपगा रायपराया आगा
चडे सूर्यछाड मोउ अठ इहथ गुरुकीशक्ति: १ अथ हृधकिंडेदामंत्र: मरसों
कारोका॥ ॐ हिविली होर पचारीकी लू डाकगी होरसियारी सतका हृध विरलन
हारी अकरा मवशा रयलूगा चमारी गुरुकीशक्ति० २ अथ मरसोंकरणेदामंत्र:
ॐ काटा कायला चमकूट हमुथेमेल मिल शिवशंकरमुथमेल कालशिवशि
वकरभूत मशाणा डाकनशाकनभूचरषचर चौशठयागरागुलि योवावो गंठ१२देणी
ॐ नार सिंह वीरगोरषवीर पंचवेताल म्हारी अज्ञांफुरे ३ अथ पंचवीर मंत्र मरसों
धागा चावलकोमंत्र पढेवार ७ ॐ पंचवीर पंचवेताल हमसिधीब्रह्म कपाल ब्रह्म कप
लेदिनीरेय डाकणी शाकणीकीया मिलावा जावंडे वीरदृष्टी पाई भस्ममुंडीसा
यापाई मेरीभक्ति०१ अथ सिरसोंगठीदामंत्र:॥ कालिकालि महाकालि मदमास
वियाली चारयाणी चारपाणी धरती आकाश चौराशिलायजीवजोनि सूर्य रामः॥
१८

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

चंदुपैराा पाणी गुरुकी शक्त० शिर गंठे गोंठ देणी रत्नाकरे अथ मूर्छा का धागा पाणी करणे का मंत्र:॥ समुद्र मध्ये द्वीप द्वीप मध्ये लंका लंका मध्ये सेत्ता फटक सेत्ता फटक ऊपर आदिनाथ बैठा आदिनाथ के हाथ लोहे का गजा लोहे की गजा कर राकस मीमार मौंच मूर्छा मृगी मार सिवाय इस मंत्र वीर की आज्ञा फुरे १ ठंठंठं फट् स्वाहा गुरु की शक्त० आदिनाथ की आज्ञा फुरे अथ बालक नो रोई लगणि स का मंत्र:॥ वहणा मह भाग यातु स्कन मेरा कहियाः ईस बालक नो हेह्य उलागी निसयो लया भूत प्रेत पिशाची कजो ठीजा हु जे इत पिंड अहि या तो आधा पनाथ का पन आज्ञा गुरु की शक्त० अथ बालडा यणी दा मंत्र:॥ विसमिल्ला आव अंम कहं कलकै पह नेनू आधहन मत हन्त विह्वास सिवाह्य मेरी भक्त० विधि: जो बानू ७ पाणी वडी संवर ही मंगावणा फेर इह मंत्र ४५ पंताली वार पाणी मंत्रणा फेर स्कांन कुल्ला दा पाणी मंत्रणा पाणी विच रखणा दिन ३ सत

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



चंगा होई फेर मरसों पीली मंत्र री १८ वार इस मंत्र सों ताल्लिकपडे विचपाईके गल बांधे डकरी दीय जाई॥ अथ मंत्र डाय णा का॥ अचल चलती मेवली पथ्थेल उपर क्षा रा डाकणी शाकणी बेंस बंधइक आरा कों बांधइ आया राजा राम चंद्र का भाई लक्ष्मण राणा कुमार बेगबंधल्यो नहीं तो दुहाई खुदाइ की मेरी भक्ति॥ विधी॥ फेर षु ड मर माही ७ कोगाली २ करणी स्थक स्थकुगाली वार ७ मंत्र के फेर लडके की माई ना पुतार णीफिर इसी मन्त्र सों लडके उपर लडके उपर उदके दाणा मंत्र के पा दाणा २ लडके के मुष मे थुकारे उसकी माई ते वार ७ डकणी दीय जावे॥ पुनः डकणी दा मंत्र॥ ॐ ह्रां ह्रां ह्रां ह्रां ड्रां ड्रां ड्रूं क्रां ह्रां क्रां क्रां [illegible] ड्रूं क्रां ह्रां ह्रां स्वाहा ६८ इस मंत्र करके जल मंत्र णा पीओं नो देणा डाकणी दीय जावे॥ अथ डकणी कि सिर मुनणी दा मंत्र॥ जा नु आस नु अमेल चूर लगर कुवांड चक्र वाड कि अकराउ अल्लाणा पफिरि डिठो रि उधाणा भयणा कालाह ससा निर्मला पाम समुद्र तीर पंथ पसारे विहरे निर्विष करे मरी रामः॥



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

२॥ जेजे कारने तेते मरते उलटा वेदते हि परपरे : पाँच पांडो की ब्रह्म थाप अमुकेकी पिंड
शरा मास युद्दहाउ चों मरन्दर दनरहू मेरी भक्ति! पिली त्रिकाहक रिमुनशी ऊंस्वे
पर तीन वार मंत्र पढे १५ अथ जंडीमशाणका॥ ऊं नमो आदेस गुरुको आदिनाथको
आदेस चले पवणा चले पाणी चले नारसिंह वेठा चले देव भूत चले पविस डाकणी
चले जोगणी पर चले जंडीमशाणा चले कामण टूणा चले सिंह्राजादहणा चले
करीया चले कराया चले जप्या चले जपाया चले कील्या होई कीलाया चले
ठक्या होई ठकाया चले जलीकियागनी चले छत्तिशमशाणा चले छिरकमशाणा
चले चलेरेवावा जोमेर फलानदह मा चलमारेह नामाई वहणाकी सेजामपग धरे
मेरीभक्ति॰ कच्चीलमरीरवापाणी माकलूणा अकार वार १४ वार २१ अथ मशाण
का मंत्र:॥ ऊंनमो आदेसगुरुको मारकीलीलाहकी पाहणा वांधा वारछुटकाम
शाणा छलकेर छलिद्रकर ताहणामन जतीकी आणा मेरीभक्ति॰ सातवारमं

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



त्रपटे कें करी मंत्रके सटे मशाणा जाये अथ भूत प्रेत चौथिका मंत्र:॥ सिरमों धागा पंन
गस्वारी देणा पारसमुद्र मंगला दीप उलंक पार किलंक विलंका पार चुहु उठार चुहु
उठारका पुत्र वीर नारसिंह अपणी मुद्रा धारता हाकणी डाकणी चकार चूकार पार
गुरुकी शक्त॰ अथ गर्भस्थं भनमंत्र॥ ॐ ह्रीं ऐं श्रीं किरल स्वाहा वार ७ मौलीके धागे गं
ठ ७ देणी धागा सरीर प्रमाणा मिलना मिणालाणा कंठ वांधणा प्रसूत होय जवगंठ षो
ले प्रसूत होय॥ अथ योगिणी दृष्ट रक्षाका मंत्र:॥ सिरमों चारल कणी समुद्र मध्ये यो
गणी आया भूतंभूतणी आये नावे आवे गावे शूलपीड मुकाई चुकावे डंडडाकणी
मशाणा वायणी घाट घाट करसी उर्ध्वब्रह्मांड फूट मरसी गुरुकी शक्त॰॥ अथ मंत्र रक्षाका॥
योगणी पूजाका॥ कालीकाली महाकाली सिरजटा वखलीता हाथपात्र करे रषवाली हाड
भनी कालजा षाई मडे मशाणों रमजाई पवन भायणी विस्य मानी गुरुकी शक्त॰ मंत्र
रक्षाका॥ ॐ उलटंत नारसिंह पलटंत काया ताकारन नारसिंह बुलाया जो धावे ह्मकों फि रामः॥



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

रिपरे पिंडप्रानकीरक्षाश्रीनारसिंहदेवकोरे मेनकवलकेथाँभ थाँभश्रीनारसिंहनेलीया
उरभूतप्रेतकीयामंहार दक्षिणबंधपश्चिमबंधउत्तरबंध पूर्वबंध बंधबाराकूरोगुरमन्
त्रपतालबंधा लोहकाकीलीताबंकीमलाई हनुमंतजतीपकवा श्रीनारसिंहरक्षापाले
मेरीभक्तगुरुकीशक्त मंत्रपढवार२१॥पुनः रक्षामंत्रः॥ आगयेकालिकापकडेषड्
गदत्तः दाहवारयेहरामंत्र बामरषनारसिंह वज्रकाकोटवज्रकीषाईजोमेरीरक्षाषि
डग्राराकीनाकाटेतादुहाईबदरीनाथकी॥विधी॥ चोतर्फचोकीवठारेकोरेनामश्रपरोले
केरक्षाकरेमही१ अथमंत्रहाजरातः॥ ॐजोकुलजाकानमोकुलमान अल्हागुरु
महम्मद शिष्यकोरगाथांकेजोनमानेमहंमदकेकलमेकी आणातिमकोलागेवज्रकेवा
णा दावदगुरु तेसमसिद्धिचेला जंगीहस्फमिहान उपलामह सहीदजंगीमहादचले हंका
रेमैकार इचले हंकारेनेईमसाफीलचले हंकारेपवराइचले हंकारे अजराईचले
हंकारेय अमलकमलेचले अल्हीयामनेहुकमपुदाईकेनाम मुषकलोहरवलाइहाजर रामः

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



शबद २॥ अथ महाजालझाडा॥ ॐकार आदि कार करता वेदन हरता चौहूँ रुक मरजन हार:
जुग चार तीन लोग चार वेद पांच पाडो छै मार्ग सात समुद्र आठ दिशा नवग्रह दशरावण:
ग्यारा रूद्र बारामास तेरा तंबोल चोदा रत्न: पन्द्रा तिथी सोला कला सत्रा सत अठारा ला
रजन उनीव लाइ वीस विस्वे चार वाणी चार बाणी पचभूत आत्मा नौनाथ चोराशी सिद्ध
चौसठ योगणी अष्टकुलीनाग तेतिश कोड देवता चौराशी महस्त्र जीउनो आकाश पाता
ल मृतमृत्य मंडल रैन दिन पहर पडिइ पल्ल घोपल घोमहूर्त नृत्त शाक धस्त घेनेरे छंमो
इभ्रकाक सिंड मोदल दानव भूत प्रेत राक्षस पापपरी आताल विनाश दीठ मूठ डायणी
डंकणी मेलमचाली वहोरी उठोरी गधी निनामि वाध थरोल्ला कंयर परवाली वावासी
र नस्हूर अरधंगी दधोरी कोरादिन हरूवाड हरूवा जलंधर फूकंभर चरचीया वादंगी
वा विसरी च्या आमवात पितौरला पित्तगोला वाहल्ला करूवा कसेली रोगसोग हूक
शूक जानूवा चुडैल्ल मीसी आधामासी कोढक हनूवा मृगी पिनस वायज्वरी लोहू वलोम रामः॥



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2

आमगडंवफोडा जिगरचोटपेट रुदिरुदला रुन्हलाय पोषणनदीनाले घरवाह हंस
सकाम कोराआरमास हाडगुद मुंडनासिकानाटिका चोनोलवाय भुरनामिनजरतम
वलसिर भगंदर सिलेमान विक्षाड अल्ह सिलेमान तहांजानक मरालाषपिकव
रकीथायनाजल२ भस्मंतहोय दादआदमकीशक्ती शेषसर्प अहि आमनेदीकी भक्ती
मेरीभक्तीफुरोमंत्रईश्वरकीवाचाफुरे कालाहसेनिर्मलावसेसमुद्रानीरपंषपसारः विषहू
रेमलकरेसरीर॥ इतिसर्वदुष्टमंत्रः अथचिंतामणीमंत्रः॥ ॐनमो अशतिह त्रिवलवीर्य्य
पराक्रमेदिनकरसहस्त्रवाहूया भूतवेतालयक्षराक्षसस्कंद विनायक ग्रहस्वयग्रहवालग्र
ह अपस्मारू दह२हन२पच२ मथ२भ्रमय२ विध्वंसयविघ्नविध्वंसय विद्रावयभोभोसि
नामणीमहाविद्या पठितसिद्ध महाविद्या मथविनाशदाजी एकाहीकंच द्वाहिकंच त्रा
हीकंच चतुर्थकंच महूर्तकंच मासाधिमासासिक षशमासीकं दिनज्वर पित्तज्वर
रात्रूज्वर संध्याज्वर वात्तज्वर पित्तज्वर दाहज्वर श्लेष्मज्वर संन्निपात्तज्वर

Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh

CC-0. In Public Domain. Digitization by eGangotri/Sarayu Trust. Funding IKS-MoE-Grant-2



सीतज्वर रातज्वर शिरोत्यज्व हन २ त्रिशूलेन हनु २ वज्रशूलेनो हन २ पाडुशूलेनो हन २ कुंभकामिनी सर्वेषां विनाशनि ॐ ह्रीं ह्रीं ह्री हृ हृ हृं हृ हृं सर्वा वाह विनाशय रोवलवा गीजांभ वीर्य्य स्थं भनी मोहनी कालरात्री नरसिंह स्या सिंहि चलु चल: ठ: ठ: ठ: हुं हुं हुं ह्रैं ह्री श्री श्री फुं फुं रं रं हुं हुं फट् माय परम माहामदनी हत मनि धीमरक्त या या या हिंस २ अमुकस्य सर्वभूतमेयां पद्रवेभ्यो स्वाहा १ इति चिंतामणी विद्या: शुभम् मस्तु मू:

कुंकमगोरोचनस्य यस्य नामा लिख्य शीर्षे वधयेत सर्वग्रहय दाराक्षस उक्तिनी शाकिनी ज्वरदोषा नश्यति सर्वपद्रवा नाम्य ति: शत्रुनाश ति:

वा षट् जूं देवदत्तरक्ष वा षट्

गोरोचनाक्षर्नां भूर्ज्ये लिख्य जलस्यापि अत्यहं पुष्पे पूजयेत् भ्रांतिर्भवति:



Kirtikant Sharma Collection, Najafgarh